अथवा /OR

जैन जीवन शैली पर प्रकाश डालिये।

Throw light on Jain life style.

प्र. 4. अनुप्रेक्षा से आप क्या समझते है? इसके महत्व को लिखिये।

What do you mean by Anupreksha? Throw light on its Importance.

अथवा /OR

प्रेक्षाध्यान के अंगों पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the Constituents of Preksha dhyan.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any four of the following:

(i) मोक्ष / Emanicipation

(ii) गुणव्रत / Qualifying Vows (Gunavrat)

(iii) अणुव्रत का कार्यक्षेत्र / Field of Anuvrat

(iv) अहिंसा–प्रशिक्षण / Nonviolence Training

(v) षडावश्यक / Six essentials (Sadavashyak)

(vi) प्रेक्षाध्यान की उपसंपदा / Pre-requisites of Prekshadhyan.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2016

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

प्रथम पत्र – पाश्चात्य दर्शन एवं एशियाई दर्शन

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अरस्तु के अनुसार ''दर्शन शास्त्र ही सर्वोत्कृष्ट ज्ञान है'' स्पष्ट कीजिए।

Explain "Philosophical knowledge is supreme knowledge" according to Aristotle.

अथवा /OR

अरस्तु के अनुसार ईश्वर का वर्णन कीजिए।

Define God, according to Aristotle.

प्र. 2. सुकरात के अनुसार नैतिक विचारों का वर्णन कीजिए।

Define the moral thoughts according to Socrates.

अथवा /OR

प्लेटों के प्रत्यय सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

Explain the theory of ideas of Plato.

प्र. 3. डेकार्ट के अनुसार आत्मा का वर्णन कीजिए।

Define soul according to Descartes.

अथवा /OR